हिमाचल अभी अभी

नई सोच नई खोज

साप्ताहिक

/himachal.abhiabhi @himachal_abhi

RNI No. HPHIN/2015/68432 वर्ष 10 अंक 19 कांगड़ा। शनिवार, 07 सितंबर-13 सितंबर, 2024 www.himachalabhiabhi.com तदनुसार 22 भाद्रपद, विक्रमी संवत् 2081 कुल पृष्ठ 4 मूल्य ₹5 | Postal Regn.No. DGPUR/26/24-26

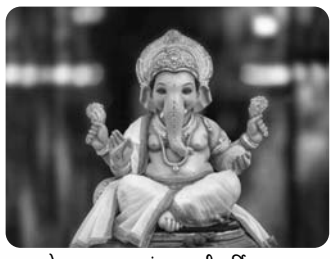

वास्तु के अनुसार लाएं बप्पा की मूर्ति

-पढ़ें पेज 4

राधाअष्टमी

इस वर्ष राधा अष्टमी 11 सितंबर, बुधवार को मनाई जाएगी। इस साल राधा अष्टमी के दिन रवि योग बन रहा है। इस विशेष मौके पर भगवान श्रीकृष्ण और राधा रानी की विशेष पूजा करने का विधान है...

भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को राधा अष्टमी का पर्व मनाया जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार राधा रानी का जन्म भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को बरसाने में हुआ था। राधा अष्टमी को राधा जयंती के नाम से भी जानते हैं। इस वर्ष राधा अष्टमी 11 सितंबर, बुधवार को मनाई जाएगी। इस साल राधा अष्टमी के दिन रवि योग बन रहा है। इस विशेष मौके पर भगवान श्रीकृष्ण और राधा रानी की विशेष पूजा करने का विधान है। शुभ फल की प्राप्ति के लिए व्रत का संकल्प करने और पूजा करने के बारे में भी बताया गया है।

राधा अष्टमी के दिन पूजा का समय : दिन में 11 बजकर 03 मिनट से दोपहर 1 बजकर 32 मिनट तक राधा अष्टमी की पूजा कर सकते हैं।

पूजा की कुल अवधि 2 घंटे 29 मिनट रहेगी।

इस साल राधा अष्टमी के दिन 2 शुभ योग बन रहे हैं। राधा अष्टमी पर प्रीति योग सुबह से लेकर रात 11:55 मिनट तक बन रहा है। उसके बाद से आयुष्मान योग बनेगा। राधा अष्टमी की पूजा प्रीति योग में होगी। वहीं रवि योग का निर्माण रात में 09:22 मिनट पर होगा और अगले दिन 12 सितंबर को सुबह 6 बजकर 5 मिनट तक रहेगा।

मान्यता है कि राधा अष्टमी के व्रत के बिना जन्माष्टमी का व्रत अधूरा माना जाता है। इससे जुड़ी एक पौराणिक कथा के अनुसार, भाद्रपद के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को वृषभानु की पत्नी कीर्ती ने राधा जी को जन्म दिया था। वृषभानु और उनकी पत्नी कीर्ती ने पिछले जन्म में कठोर तप किया था, जिसके प्रभाव से इनके घर में मां लक्ष्मी देवी राधा जी के रूप में प्रकट हुईं। इसके अलावा भगवान श्रीकृष्ण के बिना राधा जी अधूरी हैं और राधा जी के बिना श्रीकृष्ण। शास्त्रों के अनुसार जो व्यक्ति कृष्ण जन्माष्टमी का व्रत रखता है, अगर वह राधा अष्टमी का व्रत नहीं रखता तो व्रत फल की प्राप्ति नहीं होती है।

■ **पं. कुलदीप शास्त्री**